भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2254

12 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को धनराशि का आवंटन

2254. श्री राजेश रंजन:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन को प्रतिवर्ष धनराशि आवंटित करती है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने व्यावहारिक स्तर पर निजी क्षेत्र के माध्यम से अनुसंधान एवं नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना बनाई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने वैश्विक मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को उचित संसाधन और वित्तीय सहायता प्रदान करके स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना बनाई है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ख): अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) की स्थापना संसद के अधिनियम, अर्थात् एएनआरएफ अधिनियम, 2023 के माध्यम से की गई है। एएनआरएफ अधिनियम, 2023 के प्रावधान 05 फरवरी, 2024 को लागू हुए। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, एएनआरएफ को (संशोधित अनुमान) 966 करोड़ रुपये आबंटित किए गए।

(ग) से (घ): एएनआरएफ द्वारा कार्यान्वयन के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए, जिनमें प्रमुख क्षेत्रों में भारत की वैश्विक स्थिति, वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार पारितंत्र को बढ़ावा देना; तथा निजी क्षेत्र के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल हैं। हाल ही में

एएनआरएफ ने उच्च प्रभाविता क्षेत्रक प्रोन्नयन मिशन (एमएएचए) के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गतिशीलता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य मिशन मोड में प्राथमिकता-आधारित, समाधान-केंद्रित अनुसंधान करना है, जो उद्योग जगत के घनिष्ठ सहयोग से बहु-संस्थागत, बहु-विषयक और बहु-अन्वेषक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा। उद्योग भागीदार को परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नकद या वस्तु के रूप में अंश/आंशिक वित्तपोषण प्रदान करना अनिवार्य है। प्रस्तावित परियोजना लागत का कम से कम 10% उद्योग/उद्योगों द्वारा नकद सहायित होना चाहिए।

(ङ) देश में स्वदेशी अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इसमें प्रधानमंत्री प्रारंभिक करियर अनुसंधान अनुदान (पीएमईसीआरजी) योजना और एएनआरएफ का एमएएचए कार्यक्रम शामिल है। करियर की शुरुआत में वैज्ञानिकों को सहायित करके, पीएमईसीआरजी वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे प्राप्तकर्ता स्वदेशी अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की दिशा में स्वतंत्र और प्रभावशाली अनुसंधान करने में सक्षम होंगे। एमएएचए-ईवी मिशन पहल का ध्यान वर्तमान प्रौद्योगिकीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारतीय पारितंत्र में स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने और अत्याधुनिक उन्नत अनुसंधान करने पर केंद्रित है। एएनआरएफ ने संस्थानों के वैश्विक मानकों के अनुरूप रूपांतरण, अंतरणीय अनुसंधान, आधारभूत अनुसंधान संवर्धन आदि के लिए भी कार्यक्रम तैयार किए। ये योजनाएं वैश्विक मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को उचित संसाधन और वित्तीय सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करती हैं।

*****